विस्कोस स्टेपल फाइबर पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत में **विस्कोस स्टेपल फाइबर** (**VSF**) पर कठोर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू होने के एक वर्ष से भी कम समय में कपड़ा आपूर्ति शृंखला में महत्त्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।

- अप्रैल 2023 में QCO के लागू होने के बाद **VSF आयात में 65% की गिरावट** आई।
  - VSF एक **प्राकृतिक, जैव-निम्नीकृत, अर्ध-सिंथेटिक फाइबर** है जिसमें कपास के समान गुण होते हैं। यह लकड़ी अथवा कपास की लुगदी से निर्मित होता है और साथ ही बहुमुखी एवं आसानी से मिश्रित होने योग्य तथा हल्का व साँस लेने योग्य होता है।
  - इसका व्यापक रूप से परिधान, घरेलू वस्त्र, पोशाक सामग्री, बुना हुआ कपड़ा और साथ ही गैर-बुना अनुप्रयोगों में भी उपयोग किया जाता है।
- QCO एक **गैर-टैरिफ व्यापार बाधा** है जो निर्माताओं, आयातकों एवं वितरकों को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) से लाइसेंस के बिना किसी उत्पाद को संग्रहीत करने अथवा बेचने से रोकता है जो विशिष्ट गुणवत्ता मानकों को पूरा करने को प्रामाणित करता है।
  - ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद को सुनिश्चित करने के लिये घटिया एवं सस्ते आयात के प्रवाह को विनियमित करने में QCO का कार्यान्वयन विशेष महत्त्व रखता है।
  - छोटे एवं मध्यम आकार की **कताई मिलों को सस्ते VSF आयात तक सीमित पहुँच के कारण** चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- उद्योग जगत के नेताओं का सुझाव है कि QCO को केवल निर्मित वस्तु पर लागू किया जाए और साथ ही यह कच्चे माल पर इसे लागू नहीं किया जाए।

और पढ़ें...गुणवत्ता नियंत्रण आदेश

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/quality-control-order-on-viscose-staple-fibre